राष्ट्रीय ज्ञान आयोग ने भारतीय आर्थिक उन्नति में नवाचार की भूमिका को एक प्रमुख तत्व के रूप में पहचान की है। नवाचार नए अथवा सुधरे हुए सामान, सेवाओं, प्रचालनात्मक तथा संगठनात्मक प्रक्रियाओं के माध्यम से किसी भी वाणिज्यिक क्रियाकलाप में मापे जा सकने योग्य मूल्य संवर्द्धन को प्राप्त करने की एक प्रक्रिया है। बाजार के हिस्से और गुणवत्ता में प्रतियोगात्मकता, सुधार लाने और साथ ही लागत में कटौती लाने में यह एक महत्वपूर्ण तत्व है। आयोग ने भारत की आर्थिक उन्नति में तेजी लाने में नवाचार द्वारा निभाई जा रही भूमिका की खोज करने के उद्देश्य से विशाल फर्मों और साथ ही छोटे और मझोले उद्यमों के बीच एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण आयोजित किया। एनकेसी सर्वेक्षण से यह पता चलता है कि विशाल कंपनियों और साथ ही लघु तथा मझोले उद्यमों के मामले में नवाचार तीव्रता (अर्थात तीन वर्ष से कम पुराने उत्पादों/सेवाओं से अर्जित राजस्व का प्रतिशत) में वृद्धि आई है। भारत में आर्थिक उदारीकरण की शुरूआत के बाद से उन्नति और प्रतियोगात्मकता के लिए एक प्रमुख तत्व के रूप में नवाचार के सामरिक प्राथमिकता निर्धारण को भी बहुत अधिक महत्व प्राप्त हुआ है। आयोग सर्वेक्षण संरचनात्मक रूपरेखाओं और प्रक्रियाओं की भूमिका सहित कंपनी स्तर पर ऐसे महत्वपूर्ण प्राचलों को और आगे प्रकाश में लाता है जिन्होंने कुछ कंपनियों को अन्य की तुलना में अधिक नवाचारी होने योग्य बनाया है। आशा है कि भारतीय औद्योगिक स्पेक्ट्रम के बीच सर्वेक्षण के परिणामों के प्रसार से उद्योग में सर्वोत्तम परिपाटियां प्रकाश में आएंगी और इस प्रकार बड़े पैमाने पर एक प्रेरणात्मक प्रभाव पैदा होगा।

तथापि, यह उल्लेखनीय है कि बड़े और छोटे तथा मझोले–दोनों तरह के उद्यमों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बाह्य बाधा कौशल की कमी है जोकि शिक्षा पाठ्यचर्या में औद्योगिक नवाचार, समस्या समाधान, डिजाइन, प्रयोग आदि पर कम बल दिए जाने का परिणाम है। साथ ही उद्योग, विश्वविद्यालयों और आर तथा डी संस्थानों के बीच और अधिक प्रभावी सहयोग के लिए भी जरूरत है। भारत में उच्चतर शिक्षा प्रणाली (कौशल आधारित विपणनीय व्यावसायिक शिक्षा सहित) का व्यवस्थागत सुधार अपेक्षित बौद्धिक पूंजी विकसित करने और साथ ही उद्योग, सरकार, शैक्षिक प्रणाली, आर तथा डी वातावरण और उपभोक्ता के बीच प्रभावी सह–क्रियाएं उत्पन्न करने के लिए भी जरूरी है। नवाचार एक ऐसा जटिल क्रियाकलाप है जिसमें समूची अर्थव्यवस्था, ग्रासरूट स्तर से लेकर विशाल कंपनी स्तर तक के बीच व्यापक वैचारिक आदान–प्रदान किया जाना होता है। इन मुद्दों की ओर ध्यान देने और नवाचार में भारत को एक वैश्विक नेता बनाने के प्रयासों में एनकेसी एक व्यापक अभियान की सिफारिश करता है।